Vol 4 Issue 3 Sept 2014

ISSN No :2231-5063

International Multidisciplinary Research Journal

Golden Research Thoughts

Chief Editor
Dr.Tukaram Narayan Shinde

Publisher
Mrs.Laxmi Ashok Yakkaldevi

Associate Editor
Dr.Rajani Dalvi

Honorary
Mr.Ashok Yakkaldevi

Welcome to GRT

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2231-5063**

Golden Research Thoughts Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial board.Readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

International Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Center For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus PopPhD, Partium Christian University, Oradea,Romania

Mohammad Hailat
Dept. of Mathematical Sciences, University of South Carolina Aiken

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences Al. I. Cuza University, Iasi

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Dept of Chemistry, Lahore University of Management Sciences[PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

......More

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University,Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University,Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary,Play India Play,Meerut(U.P.)

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh,
Vikram University, Ujjain

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU,Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra
Maulana Azad National Urdu University

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.aygrt.isrj.net

Golden Research Thoughts
ISSN 2231-5063
Impact Factor : 2.2052(UIF)
Volume-4 | Issue-3 | Sept-2014
Available online at www.aygrt.isrj.net

GRT

माध्यमिक स्तर के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का तुलनात्मक अध्ययन

श्वेता राठी[1] , कविता सिंह[2]

[1]असिस्टेन्ट प्रोफेसर, गृह विज्ञान विभाग, मोनाड विश्वविद्यालय, हापुड़।
[2]षोधार्थिनी, गृह विज्ञान विभाग, मोनाड विश्वविद्यालय, हापुड।

सारांश :-सामान्यतः व्यक्तित्व से अभिप्राय व्यक्ति के रूप, रंग, कद, लम्बाई, चौड़ाई, मोटाई, पतलापन अर्थात शारीरिकसंरचना, व्यवहार तथा मृदुभाषी होने से लगाया जाता है। ये समस्त गुण व्यक्तित्व के समस्त व्यवहार का दर्पण हैं। व्यक्ति की अनेक धारणायें प्रचलित हैं।

प्रस्तावना :-

वव्यक्तित्व में एक मनुष्य के न केवल शारीरिक और मानसिक गुणों का वरन् उसके सामाजिक गुणों का भी समावेश होता है।

मन के अनुसार– व्यक्तित्व एक व्यक्ति के व्यवहार के तरीको, रूचियों, दृष्टिकोणों, क्षमताओं, योग्यताओं तथा अभिरूचियों का सबसे विशिष्ट संगठन है।

बिग व हण्ट– व्यक्तित्व एक व्यक्ति के सम्पूर्ण व्यवहार प्रतिमान और विशेषताओं के योग का उल्लेख करता है।

वेलेन्टाइन– व्यक्तित्व जन्मजात और अर्जित प्रवृत्तियों का योग है।

बोरिंग एण्ड अन्य– व्यक्तित्व व्यक्ति का अपने वातावरण के साथ उचित समायोजन है।

अतः इस प्रकार कहा जा सकता है कि व्यक्तित्व एक जटिल प्रत्यय है, मनोवैज्ञानिकों ने व्यक्तित्व को दो भिन्न दृष्टिकोणों से परिभाषित करने का प्रयास किया है। कुछ मनोवैज्ञानिकों ने व्यक्ति के बाहरी पक्ष जैसे– शारीरिक रचना, रूपरेखा, रूपरंग आदि को ध्यान में रखकर और कुछ ने व्यक्ति के आन्तरिक पक्ष जैसे– मानसिक रचना, स्वभाव, बौद्धिक योग्यता, नैतिकता आदि को ध्यान में रखकर व्यक्तित्व को परिभाषित करने का प्रयास किया है। कुछ मनोवैज्ञानिकों ने व्यक्ति के इन दोनों पक्षों को ध्यान में रखकर व्यक्तित्व को परिभाषित किया है।

अध्ययन की आवश्यकता–

माध्यमिक स्तर शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के व्यक्तित्व में किस प्रकार तुलनात्मक अन्तर है। अतः माध्यमिक स्तर के शहरी क्षेत्र के छात्रों के व्यक्तित्व एवं ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों के व्यक्तित्व में क्या कोई अन्तर होता है, और अगर होता है तो वह अन्तर किस प्रकार का होता है।

अतः इस अध्ययन में माध्यमिक स्तर के शहरी क्षेत्र के छात्राओं के व्यक्तित्व एवं ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों के व्यक्तित्व में क्या–क्या समान्ताएँ तथा भिन्नताएँ पाई जाती है, और ये भिन्नता किस–किस प्रकार की होती हैं और इन भिन्नता होने का क्या कारण है।

अतः जो छात्र एवं छात्राएं शहरी क्षेत्र में रह रहे हैं उनका व्यक्तित्व क्या समान रहा है और जो छात्र एवं छात्राएं ग्रामीण क्षेत्र में रह रहे हैं उनका व्यक्तित्व क्या समान रहता है या कि भिन्न–भिन्न होता है और अगर समान रहता है तो क्यों और यदि भिन्न रहता है तो क्यों रहता है।

शोध के उद्देश्य–

1.माध्यमिक स्तर के शहरी क्षेत्र के छात्रों के व्यक्तित्व का अध्ययन।
2.माध्यमिक स्तर के ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों के व्यक्तित्व का अध्ययन।

शोध परिकल्पना–

1.माध्यमिक स्तर के ग्रामीण क्षेत्र एवं शहरी क्षेत्र छात्रों के व्यक्तित्व में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता।

साहित्यिक अवलोकन–

सिंह, सविता (2010) ने अपने शोध ''शैक्षिक एवं व्यावसायिक योग्यताओं, व्यक्तित्व के गुणों तथा परिवार की आर्थिक पृष्ठभूमि के सन्दर्भ में ग्रामीण एवं शहरी माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत गृह–विज्ञान की अध्यापिकाओं में कार्य सन्तुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन'' में निम्नलिखित शोध परिणाम प्राप्त किये– (1) ग्रामीण क्षेत्र के माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत 18.8 प्रतिशत शिक्षिका उच्च कार्य सन्तुष्टि की तथा 10 प्रतिशत शिक्षिकायें निम्न कार्य संतुष्टि की पाई गईं। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों में अति असंतुष्ट कार्य संतुष्टि की एक भी शिक्षिकता नहीं पायी गयी। (2) समान शैक्षिक योग्यता वाली ग्रामीण एवं शहरी विद्यालयों में कार्यरत गृह–विज्ञान शिक्षिकाएं समान कार्य सन्तुष्टि वाली होती हैं। (3) शहरी एवं ग्रामीण विद्यालयों में कार्यरत समान व्यावसायिक उपाधिधारी गृह–विज्ञान शिक्षिकाएं समान कार्य संतुष्टि वाली होती हैं। (4) शहरी विद्यालयों में 100 प्रतिशत गृह–विज्ञान शिक्षिकाएं अस्थिर संवेग वाली तथा ग्रामीण क्षेत्र की 93.6 प्रतिशत शिक्षिकाएं अस्थिर संवेग वाली होती हैं। (5) निम्न पारिवारिक आर्थिक स्थिति की ग्रामीण क्षेत्र की गृह–विज्ञान अध्यापिकाएं अपने ही आर्थिक वर्ग की शहरी अध्यापिकाओं से अधिक व्यवसाय सन्तुष्टि वाली होती हैं।

शोभा शर्मा (2012) ने कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय के संगठनात्मक पर्यावरण तथा उसमें अध्ययनरत छात्राओं के व्यक्तित्व, शैक्षिक सम्प्राप्ति और वैयक्तिक मूल्यों का एक अध्ययन किया जिसका मुख्य उद्देश्य कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं के व्यक्तित्व का अध्ययन करना। शोधार्थिनी ने सर्वेक्षण विधि का प्रयोग करते हुए मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद तथा बरेली शैक्षिक परिक्षेत्र (मण्डल) में उपस्थित समस्त कस्तूरबा गाँधी विद्यालयों की शिक्षिकाएं एवं छात्राओं को शोध अध्ययन की जनसंख्या के रूप में निर्मित किया। कस्तूरबा गांधी विद्यालयों की छात्राओं के व्यक्तित्व गुण के आधार पर विद्यालयों के व्यक्तित्व गुण के निर्धारण में पाया गया कि करीब 20 प्रतिशत कस्तूरबा गांधी विद्यालयों के व्यक्तित्व में गम्भीर, स्थिर भावना, अनानुशासन, हितकर, शर्मीला, कोमल, निश्छल, शान्त, प्रयोगवादी, परावलम्बली व्यक्तित्व गुण पर्याप्त मात्रा में उपस्थित है। शेष विद्यालयों के व्यक्तित्व गुण का वितरण सामान्य है।

शोध विधि–

प्रस्तुत अध्ययन में शोध की सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

शोध जनसंख्या–

प्रस्तुत अध्ययन में माध्यमिक स्तर के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के सभी छात्रों को इस अध्ययन की जनसंख्या के रूप में लिया गया है।

शोध न्यादर्श–

प्रस्तुत अध्ययन में कुल जनसंख्या से 50 छात्र शहरी एवं 50 छात्र ग्रामीण क्षेत्र से अर्थात कुल 100 छात्राओं को न्यादर्श के रूप में लिया गया है।

शोध में प्रयुक्त उपकरण–

प्रस्तुत शोध में आंकड़ों को एकत्र करने हेतु डॉ. महेश भार्गव द्वारा निर्मित व प्रमापीकृत व्यक्तित्व आयाम मापनी का प्रयोग किया गया है।

शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी

प्रस्तुत शोध में मध्यमान, मानक विचलन एवं टी–परीक्षण का प्रयोग किया गया है।

सारिणी–1: माध्यमिक स्तर के ग्रामीण क्षेत्र एवं शहरी क्षेत्र के छात्रों के व्यक्तित्व का तुलनात्मक विश्लेषण

क्रम सं0	व्यक्तित्व आयाम		औसत प्राप्तांक	विचलन त्रुटि	टी– प्राप्तांक	परिणाम
1.	सक्रिय–निष्क्रिय	ग्रामीण छात्र	.21	.15	.6	NS
		शहरी छात्र	.3			
2.	उत्साही–अनुत्साही	ग्रामीण छात्र	.32	.15	1.53	NS
		शहरी छात्र	.09			
3.	आक्रामक–विनम्र	ग्रामीण छात्र	.9	.14	4.9	.01**
		शहरी छात्र	.77			
4.	शंकालु–विश्वासी	ग्रामीण छात्र	.225	.45	.43	NS
		शहरी छात्र	.42			
5.	अवसादी–अवसादमुक्त	ग्रामीण छात्र	0	.13	1.5	NS
		शहरी छात्र	.195			
6.	भावात्मक अस्थिरता– भावात्मक स्थिरता	ग्रामीण छात्र	–.06	.089	.84	NS
		शहरी छात्र	–.135			

df = 98, NS = Not significant. ** = Significant at.01 level

उपर्युक्त सारणी के आधार पर अध्ययनकर्त्री ने माध्यमिक स्तर के शहरी क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों के व्यक्तित्व का तुलनात्मक अध्ययन एवं माध्यमिक स्तर के शहरी क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों के व्यक्तित्व में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता का विश्लेषण किया गया है।

जिसमें शहरी क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों के प्राप्तांकों के आधार पर प्रमाणिक विचलन त्रुटि एवं टी–प्राप्तांक की गणना की गई है जिसमें सक्रिय–निष्क्रय, उत्साहपूर्ण–अनुत्साहपूर्ण, संदिग्ध–असंदिग्ध, अवसादी– अवसादमुक्त, भावात्मक स्थिरता–भावात्मक अस्थिरता के टी–प्राप्तांक का मान क्रमशः 0.6, 1.53, 0.43, 1.5, 0.84 प्राप्त हुआ जो स्वतन्त्रांश अंश 98 सार्थकता स्तर 0.05 के सारणीमान 1.96 से कम है। अर्थात इसके मध्य माध्यमिक स्तर के शहरी क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों में सार्थक अन्तर नहीं है। लेकिन केवल आक्रामक–विनम्र कारक का गणनात्मक मान 4.9 सार्थकता स्तर 0.01 के सारणी मान 2.58 से ज्यादा है। अतः आक्रामक–विनम्र कारक में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के व्यक्तित्व में सार्थक अन्तर है।

उपरोक्त विवेचना के आधार पर अध्ययनकर्ती इस निष्कर्ष पर पर पहुंची है कि माध्यमिक स्तर के शहरी क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों के व्यक्तित्व के कारक सक्रिय–निष्क्रय, उत्साहपूर्ण–अनुत्साहपूर्ण, संदिग्ध–असंदिग्ध, अवसादी–अवसादमुक्त, भावात्मक स्थिरता–भावात्मक अस्थिरता के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं है। सार्थक का अस्तर 0.01 पर कारक आक्रामक–विनम्र ग्रामीण क्षेत्र क्षेत्र शहरी क्षेत्र के छात्रों में सार्थक अन्तर है। जिसमें शहरी छात्र का स्तर ऊँचा पाया गया है।

शोध के परिणाम–

माध्यमिक स्तर के ग्रामीण क्षेत्र एवं शहरी क्षेत्र के छात्रों के व्यक्तित्व के कारक सक्रिय–निष्क्रिय, उत्साही अनुत्साही, शंकालु–विश्वासी, अवसादी अवसादमुक्त, भावात्मक स्थिरता, भावात्मक अस्थिरता के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं है। सार्थक का स्तर 0.01 पर कारक आक्रामक–विनम्र ग्रामीण क्षेत्र एवं शहरी क्षेत्र के छात्रों में सार्थक अन्तर है जिसमें शहरी क्षेत्र का स्तर ऊँचा पाया गया है।

निष्कर्ष–

माध्यमिक स्तर के ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों के व्यक्तित्व के कारक सक्रिय–निष्क्रिय, उत्साहपूर्ण–अनुत्साहपूर्ण, संदिग्ध–असंदिग्ध, भावात्मक स्थिरता–भावात्मक अस्थिरता का स्तर सामान्य है किन्तु आक्रामक–विनम्र कारक में व्यक्तित्व का स्तर सामान्य से ऊपर है। केवल आक्रामक–विनम्र कारकों का स्तर सामान्य से अधिक है। जब छात्रों के व्यक्तित्व के बारे में जाना तो पाया कि शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों का व्यक्तित्व समान नहीं होता इनके व्यक्तित्व व विचार अलग होते हैं।

सन्दर्भ सूची

1.आलपोर्ट एच.डब्ल्यू: पर्सनेल्टी ए साइक्लोजीकल इन्ट्रोडक्शन 1937, हेनरी होल्ड एम.वाई.।
2.कुदेसिया, उमेश चन्द्र, 'शिक्षा प्रशासन' विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, मुद्रण रवि मुद्रणालय, आगरा–2
3.क्रौन बैक, एल.जे.: एजुकेशनल साइकोलोजी, हारकोर्ट, ब्रेस, न्यूयार्क, 1954
4.कैली टी.एल.: इन्टरप्रिटेशन ऑफ एजुकेशनल मैजरमेन्ट, वर्ल्ड बुक कं0, 1939
5.कपिल, एच.के. ''अनुसंधान विधियाँ'' हर प्रसाद भार्गव, 41230 कचहरी घाट, आगरा–4, 1984
6.शर्मा, बी.एन. (2004) अधिगमकर्ता का विकास तथा अधिगम प्रक्रिया, साहित्य प्रकाशन, आगरा।
7.वर्मा, मोहन (2004) ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ एडजेस्टमेन्ट एण्ड पर्सनल्टी इट्स ऑफ रूरल एण्ड अर्बन स्टूडेन्ट्स, इण्डियन जर्नल ऑफ एजूकेशनल रिसर्च वोल्यूम–23, नं. 2
8.माथुर, एस.एस. (2008) शिक्षक तथा माध्यमिक शिक्षा, अग्रवाल पब्लिकेशन्स, आगरा–7
9.सिंह, सविता (2010) शैक्षिक एवं व्यावसायिक योग्यताओं, व्यक्तित्व के गुणों तथा परिवार की आर्थिक पृष्ठभूमि के सन्दर्भ में ग्रामीण एवं शहरी माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत गृह–विज्ञान की अध्यापिकाओं में कार्य सन्तुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन, अप्रकाशित पीएच0डी., शिक्षा विभाग, चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ।
10.शोभा शर्मा (2012) ने कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय के संगठनात्मक पर्यावरण तथा उसमें अध्ययनरत छात्राओं के व्यक्तित्व, शैक्षिक सम्प्राप्ति और वैयक्तिक मूल्यों का एक अध्ययन, अप्रकाशित पीएच.डी., शिक्षा विभाग, चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ।

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Book Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- EBSCO
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database
- Directory Of Research Journal Indexing

Golden Research Thoughts
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.aygrt.isrj.net